नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती के अवसर पर

माननीय अध्यक्ष जी का सम्बोधन

आज हम सब स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक नेता जी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करने आए हैं। केंद्रीय कक्ष में भारत के अलग-अलग राज्यों से हमारे युवा विद्यार्थी, साथी आए हैं, जिसमें एक सम्पूर्ण भारत यहां पर आज मुझे देखने को मिल रहा है।

मैं इस केन्द्रीय कक्ष में आप सभी का अभिवादन और स्वागत करता हूं। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का त्याग, बलिदान प्रत्येक भारतीय को हमेशा एक नयी प्रेरणा देता है, नई दिशा देता है। उनका संघर्ष और विचार नौजवानों में देश सेवा के लिए नई दिशा देता है, संकल्पित भाव देता है।

आज हम उनकी जयंती पर उनको शत-शत नमन करते हुए उनके विचारों, आदर्शों और उनके जीवन संघर्ष को आत्मसात करेंगे, और भारत की नई दिशा तय करेंगे।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का व्यक्तित्व इतना विराट है कि उनके नाम से ही देश के हर नौजवान में नई ऊर्जा और नई शक्ति का संचार होने लगता है। हम सब के लिए और भारत में विशेष रूप से नौजवानों के लिए उनका आदर्श जीवन, उनके आदर्श, संघर्ष निश्चित रूप से एक नई राष्ट्रभक्ति का संचार करता है। उनका अद्भुत नेतृत्व क्षमता, उनका आत्मविश्वास, स्वाभिमान और चुनौतियों से लड़ने की शक्ति थी और भारत के लिए उनका एक विजन था। आज देश उसी विजन पर आगे चल रहा है।

नेताजी भारत के समृद्ध गौरवशाली इतिहास पर हमेशा गर्व करते थे। अपनी सांस्कृतिक विरासत पर उनका भरोसा था कि एक दिन भारत आत्मनिर्भर बनेगा, आत्मविश्वास और स्वाभिमान के साथ एक आधुनिक भारत बनेगा, आज हम उस सपना को

पूरा होते हुए देख रहे हैं। उनके जीवन में हमेशा से एक स्पष्ट संदेश था, हर चुनौती का मुकाबला कठिन से कठिन संघर्ष से करना चाहिए, इसलिए उन्होंने अनवरत अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए जीवन भर संघर्ष किया, उनका यही जीवन दर्शन आज हमको नई दिशा देता है। व्यक्ति के जीवन में जब कोई विचार आए तो उस विचार को पूरा करने के लिए उनके मन में संकल्प होना चाहिए, ऊर्जा होनी चाहिए।

भारत के नौजवानों की इनोवेशन क्षमता, उनके नए रिसर्च करने की क्षमता, उनकी नई सोच और बौद्धिक क्षमता से नये भारत बनाने का सपना आज मैं देख रहा हूं। नेताजी भारत को ऐसा ही देखना चाहते थे, इसलिए हम उनके जीवन दर्शन को समझने के लिए यहां पर आए हैं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है कि किस तरीके से हमारे विद्यार्थी और नौजवान उनके जीवन दर्शन के बारे में अपने वक्तव्य में बता रहे हैं।

मुझे आशा है कि आने वाले समय में भारत इसी तरीके से चुनौतियों का सामना कर स्वाभिमान से आगे बढ़ता रहेगा। भारत के नौजवान के मन में इसी तरीके से विचार होंगे, जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के विचारों में थे। भारत के हर कण-कण में नौजवान में उनके विचार, संकल्प, एक दृढ़ इच्छाशक्ति और एक नये आत्मविश्वास के साथ नये भारत का निर्माण और नेताजी के सपनों का भारत बनाने का विचार हम सभी इस केन्द्रीय कक्ष से लेकर जाएं।

मैं पुन: आप सभी को धन्यवाद देता हूं। आज आप यहां बड़ी-बड़ी दूर से आए हैं, आप निश्चित रूप से यहां से संकल्प और विचार लेकर जाएंगे। नेताजी के विचारों पर अलग-अलग विद्यार्थी अपने विचार व्यक्त करेंगे, उन विचारों को अनवरत लेकर जाना है और जब तक अपने लक्ष्य को पूरा न कर लें, जब तक हर चुनौती और कठिनाई का सामना करते हुए अपने संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाना है। यही हमारा संकल्प है। जय हिन्द।